Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APG–1054

M.A. (Previous) Examination, 2021

PHILOSOPHY

Paper - I

(Indian Philosophy)

(Epistemology and Metaphysics)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ) 2 each

1. Define the following :

   निम्नलिखित पदों को परिभाषित कीजिए :

   (i) Pramānya

   प्रामाण्य

   (ii) Svatah Pramanyavāda

   स्वतः प्रामाण्यवाद

   (iii) Savisayatva

   सविषयत्व

   (iv) Savikalpak Pratyaksha

   सविकल्पक प्रत्यक्ष

   (v) Arthāpatti Pramāna

   अर्थापत्ति प्रमाण

   (vi) Anyathākhyātivāda

   अन्यथाख्यातिवाद

   (vii) Karmādhyaksha

   कर्माध्यक्ष

   (viii) Jiva

   जीव

   (ix) Nairatmyavāda

   नैरात्म्यवाद

   (x) Satkāryavāda

   सत्कार्यवाद

Section–B

(खण्ड–ब) 8 each

2. Write a note on Source of Knowledge.

   ज्ञात के स्त्रोत पर एक नोट लिखिए।

3. Write a note on Pratitya Samutpāda.

   प्रतीत्य समुत्पाद पर एक नोट लिखिए।

4. Distinguish between Swarthānumān and Pararthānuman.

   स्वार्थानुमान एवं परार्थानुमान में भेद कीजिए।

5. Mention the merit and limitations of Śābda Pramāna.

   शब्द प्रमाण के गुण व सीमाओं का वर्णन कीजिए।

6. Distinguish between Parināmvāda and Vivartavāda.

   परिणामवाद एवं विवर्तवाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

7. Explain the nature of Jivanmukti according to Advait Vedant.

   अद्वैत वेदान्त के अनुसार जीवनमुक्ति के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

8. Write the arguments given by Udayan to prove the existence of God.

   ईश्वर के अस्तित्व सिद्धि हेतु उदयन के तर्कों को लिखिए।

Section–C

(खण्ड–स) 20 each

9. Discuss the various kinds of Apramā according to Nyaya-philosophy. Why this system includes Smrita as Apramā ?

   न्याय-दर्शन के अनुसार अप्रमा के विविध प्रकारों की विवेचना कीजिए। क्यों न्याय-दर्शन में स्मृति को अप्रमा माना गया है ?

10. Discussing Jiva and Ajiva evaluate the nature of liberation according to Jainism.

जीव एवं अजीव की विवेचना करते हुए जैन-दर्शन में मुक्ति की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए।

11. Discussing the notion of universal also explain the debate between Naiyayikas and Buddhist school.

सामान्य के प्रत्यय पर विचार करते हुए न्याय एवं बौद्धों के मध्य संवाद की चर्चा कीजिए।

12. Discuss the nature of Isvar (God) as per Madhavacharya and show how is it different from concept of Brahma of Sankaracharya.

माध्वाचार्य के अनुसार ईश्वर (ब्रह्म) के स्वरूप की विवेचना कीजिए एवं बताइए कि वे शंकर के ब्रह्म सिद्धान्त से कैसे भिन्न है ?